भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1558
दिनांक 13 फरवरी, 2025

निकोबार जिले में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की भारी कमी

†1558. श्री बिष्णु पद राय:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या निकोबार जिले में वाहनों और अन्य उपभोक्ताओं को अक्सर पेट्रोल, डीजल और एलपीजी आपूर्ति की भारी कमी का सामना करना पड़ता है;

(ख) यदि हां, तो मात्रा और अवधि सहित कमी का ब्यौरा क्या है;

(ग) निकोबार जिले में ईंधन की बार-बार होने वाली या वर्तमान में जारी कमी के क्या कारण हैं;

(घ) क्या अंडमान और निकोबार प्रशासन और केंद्र सरकार द्वारा क्षेत्र में निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करके कमी को दूर करने के लिए कोई कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) क्या इस कमी को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए कोई दीर्घकालिक योजना है और यदि हां, तो प्रस्तावित बुनियादी ढांचे या आपूर्ति श्रृंखला में सुधार के साथ-साथ तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (ङ): इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने बताया है कि निकोबार में पेट्रोलियम, तेल और ल्यूब्रिकेंट (पीओएल) उत्पादों की माँग आईओसीएल के 2 खुदरा बिक्री केन्द्रों (आरओज) के माध्यम से पूरी की जाती है, जिनमें 75 दिनों की कवरेज के साथ भंडारण क्षमता है। इसके अलावा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह एकीकृत विकास निगम लिमिटेड (एएनआईडीसीओ), प्रशासन द्वारा संचालित एक सार्वजनिक उपक्रम द्वारा कामोर्टा, टेरेसा, कच्छल और ग्रेट निकोबार में खुदरा बिक्री केन्द्रों का संचालन किया जाता है। आरओज को पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति हैडो, पोर्ट ब्लेयर में स्थित एक समर्पित आईओसीएल पीओएल

टर्मिनल के माध्यम से की जाती है। इसके अलावा, पोर्ट ब्लेयर में एलपीजी भरण संयंत्र में निकोबार द्वीप समूह की माँग (अंडमान और निकोबार केन्द्र शासित प्रदेश के लिए वित्त वर्ष 2023-24 में 13.8 टीएमटी) को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता (मापित क्षमता 15 टीएमटीपीए) है। सुव्यवस्थित रूप से वितरण के लिए, जनजातीय विकास सहकारी समिति (टीडीसीएस) को नानकॉरी द्वीप समूह में एलपीजी वितरक के रूप में नामित किया गया है।

निकोबार जिले के विभिन्न द्वीपों में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति बैरल आईएसओ-कंटेनरों के माध्यम से की जाती है, जिन्हें निजी जहाज संचालकों द्वारा उपलब्ध कराए गए जहाज के माध्यम से लोड किया जाता है, जो मौसम की स्थिति के आधार पर 15-20 दिनों के औसत टर्नअराउंड समय के साथ पीओएल उत्पादों के साथ अन्य उत्पादों को ढुलाई करते हैं। तथापि, पीओएल उत्पादों और एलपीजी की स्थिति पूरी तरह से निजी कम्पनियों द्वारा व्यवस्थित पोत अनुसूची कार्यक्रम पर निर्भर करती है, जो कभी-कभी चरम मौसमी परिस्थितियों या जहाज के रखरखाव के कारण आईओसीएल की आवश्यकता के साथ मेल नहीं खाती है।

आईओसीएल ने 4 केएल आईएसओ कंटेनरों के माध्यम से मोटर स्पिरिट (एमएस)/हाई स्पीड डीजल (एचएसडी) की आपूर्ति सहित पीओएल उत्पादों के ड्राई आउट की संभावनाओं को कम करने के लिए कई पहलें की हैं, जिससे खुदरा बिक्री केन्द्रों को अधिक मात्रा में उत्पाद की आपूर्ति सुनिश्चित हुई है और इसकी आपूर्ति दिनांक 03.08.2023 तक बैरल में की गई थी। इसके अलावा, एक मल्टी मॉडल बार्ज को परिचालन में लगाया गया है जो विभिन्न द्वीपों में पीओएल उत्पादों का तेजी से परिवहन करने के लिए एचएसडी और हाई फ्लैश हाई स्पीड डीजल (एचएफएचएसडी) (डीजल और बंकर ईंधन) ले जाने के लिए समर्पित है।

पीएसयू ओएमसीज द्वारा खुदरा बिक्री केन्द्रों और एलपीजी नेटवर्क का विस्तार करना एक सतत प्रक्रिया है, जिससे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह सहित पूरे देश में एमएस/एचएसडी और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। पीएसयू ओएमसीज द्वारा फील्ड सर्वे और व्यवहार्यता अध्ययनों के आधार पर चिह्नित स्थलों पर आरओज/एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप स्थापित की जाती हैं।

****